an>

Title: Regarding problems faced by passengers at Patna Airport.

श्री ह्रुमदेव नारायण यादव (मधुबनी) : सभापति महोदय, पटना एयरपोर्ट पर कुव्यवस्था के कारण यात्रियों को अपार कष्ट होता है। क्षमता से अधिक वायुयानों को वहाँ उतारा जाता है। जब चार वायुयान एक साथ लग जाते हैं, तो बोर्डिंग कराने के लिए धक्का-मुक्की होती है। बोर्डिंग कार्ड लेने तथा सामानों के लिए ट्रॉली लाने का स्थान नहीं मिलता है। बूढ़े, बीमार और महिलाओं को बहुत कष्ट होता है। वहाँ पर शौचालय की भी व्यवस्था नहीं है, जो अमानवीय है। सुरक्षा जाँच के समय वहाँ पर इतनी धक्का-मुक्की होती है कि सांस फुलने लगता है। सामानों की जाँच के लिए दो मशीन लगे हैं, जो छोटे हैं। उनमें से एक मशीन 25 और 26 मार्च को खराब था। एक मशीन से ही जाँच होने के कारण यात्रियों को हुई परेशानियों का वर्णन नहीं किया जा सकता है। इसे मैंने अपनी आँखों से देखा है। सुरक्षा जाँच के समय लोगों के बीच ठेला-ठेली हो रही थी। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के डी.जी. के दबाव और प्रभाव के कारण क्षमता से ज्यादा हवाई-जहाजों को उतारने का आदेश दिया गया है। खास तौर पर एयर इंडिया के हवाई-जहाजों के प्राइम टाइम में व्यवधान डालकर निजी कंपनियों को प्रमुखता दी जाती है। ऊपरी स्तर के दबाव, प्रभाव, पक्षपात और मनमानी के कारण एयर इंडिया की हालत दयनीय होती जा रही है। जब एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ही सरकार को बदनाम करने का काम कर रही है, तो सरकार को कौन बचाएगा।

महोदय, मैं इस संबंध में दर्जनों पत्र लिख चुका हूँ, परंतु मंत्रालय ने उन पत्रों पर कोई कार्यवाही नहीं की है। मैं यह माँग करता हूँ कि इसकी उच्च स्तरीय जाँच कराकर डी.जी. के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

माननीय सभापति ः

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं

श्री बलभद्र माझी को श्री ह्रुमदेव नारायण यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।